

Press Information

VZ IND

Date 2005-11

Page 1 / 3

फैक्ट शीट : भारत में वोइथ

तथ्य और आंकड़े :

कुल चार स्थानों पर मौजूद
वोइथ फैब्रिक्स : फरीदाबाद में, लगभग १८५ कर्मचारी
वोइथ टर्बो : हैदराबाद में, लगभग १७० कर्मचारी
वोइथ पेपर : कलकत्ता में, २२ कर्मचारी
वोइथ सीमेन्स हाईड्रो पावर जेनरेशन, नई दिल्ली में १६ कर्मचारी
२००२/०३ में कारोबार : १ करोड़ ३० लाख यूरो
२००२/०३ में ऑर्डर मिले : १४ करोड़ यूरो

भारत में वोइथ का इतिहास

- १९२४ वोइथ ने भारत में पहली कागज बनाने वाली मशीन की आपूर्ति मीनाक्षी पेपर मिल्स को की।
- १९२५ वोइथ ने भारत में पहले टरबाइन की आपूर्ति तलंग के लिए की।
- १९५१ वोइथ ने भारत को पहले ट्रांसमिशन की आपूर्ति की।
- १९५४ भारत की स्वतंत्रता की घोषणा के बाद वोइथ ने देश के कुछ पहले पन बिजली केंद्रों में हिस्सा लिया और इसके साथ-साथ भारत में पन बिजली तकनालाजी के संपूर्ण विकास के लिए भी काम किया। इस सिलसिले में वोइथ ने मचकुन्द, हीराकुंड, पेरियार, नांगल और गांधीसागर की पन बिजली परियोजनाओं के लिए टरबाइन की डिलीवरी की।
- १९६० कंसबहल की उत्कल मशीनरी लिमिटेड में वोइथ की आर्थिक दिलचस्पी।
- १९७८ वोइथ ने केरल में हिन्दुस्तान न्यूजप्रिंट को एक न्यूजप्रिंट मशीन की डिलीवरी की। आज की तारीख तक यह भारत में सबसे चौड़ा कागज बनाने वाली मशीन है।

- १९७९ नगांव और कछार में हिन्दुस्तान पेपर को वोइथ पेपर मशीन की डिलीवरी।
- १९८५ वोइथ टर्बो ने हैदराबाद में अपनी उत्पादन इकाई शुरू की।
- १९९४ वोइथ मैरिन ने इकोटेक इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर भारत में शिपहैंडलिंग और प्रदूषण नियंत्रण पोतों के लिए वोइथ शेइंडर प्रोपेलर्स के लिए मजबूत उपस्थिति बनाई।
- १९९४ तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पेपर लिमिटेड और वोइथ ने मिलकर संयुक्त रूप से दुनिया की पहली पेपर मशीन से काम शुरू किया जो कि गन्ने से कागज बनाता है।
- १९९६ वोइथ ने सिनार मास पल्प एंड पेपर (आज बिल्ट ग्राफिक्स) को कागज बनाने वाली मशीन की आपूर्ति की। आज तक यह देश में सबसे तेज चलने वाली मशीन है।
- १९९८ उड़ीसा राज्य के अपर इंद्रावती पावर स्टेशन के लिए वोइथ ने ६०० एमडब्ल्यू के टरबाइन की आपूर्ति की।
- १९९९ वोइथ फैब्रिक्स की स्थापना १९६८ में की गई थी और 'स्कापा' के अधिग्रहण से यह वोइथ का भाग बन गया।
- २००० इस सदी के अंत तक वोइथ ने भारत की ८० से ज्यादा पन बिजली परियोजनाओं के लिए टरबाइन की आपूर्ति की।
- २००२ इस साल में भारत में कागज की खपत तकरीबन ७ प्रतिशत बढ़ गई। इसमें और वृद्धि का अनुमान है। भारत में प्रति व्यक्ति कागज की खपत ५ किलोग्राम थी और इसके मुकाबले जर्मनी में प्रति व्यक्ति कागज की खपत २२५ किलोग्राम के करीब है।
- २००२ वोइथ सीमेन्स हाइड्रो पावर जेनरेशन ने नई दिल्ली में एक ऑफिस खोला।
- २००२ वोइथ ने खन्ना पेपर मिल्स, अमृतसर को कागज बनाने वाली एक मशीन और डी-इंकिंग प्लांट की आपूर्ति की।
- २००२ वोइथ सीमेन्स को बगलीहर पन बिजली केंद्र के उपकरण के लिए ऑर्डर मिला। यह लगभग १००० लाख यूरो का है। इसी तरह हीराकुंड बुर्ला के लिए भी ऑर्डर मिला है जो १४० लाख यूरो मूल्य का है।
- २००२ वोइथ ने एशिया की सबसे बड़ी मेट्रो परियोजनाओं में से एक - नई दिल्ली मेट्रो - के विस्तार के लिए ४८० फाइनल ड्राइव सेट और ४९६ स्कारफेनबर्ग कपलर्स की आपूर्ति की है।
- २००३ वोइथ, लार्सन एंड टुब्रो में शेयरधारक बनी। वोइथ बोर्ड के पूर्व सदस्य डॉक्टर गुंटर आर्मब्रुस्टर कई वर्षों से लार्सन एंड टुब्रो के बोर्ड में हैं।
- २००३ खोपोली पन बिजली केंद्र के लिए बिजली के पूरे उपकरण की आपूर्ति वोइथ सीमेन्स हाइड्रो ने की।

- २००३ निजी क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा हाइड्रो पावर स्टेशन बसपा द्वितीय ग्रिड से जुड़ा हुआ है जिसकी आपूर्ति वोइथ सीमेन्स हाइड्रो ने की है।
- २००३ वोइथ ने अभी तक भारत में लोकोमोटिव और रेल कार के लिए लगभग ८०० ट्रांसमिशन की आपूर्ति की। इनमें से कुछ भारत के सरकारी रेलवे के लिए है।
- २००३ नाथपा झाकरी की छह यूनिटों का पहला चालू हो गया। उपकरण की आपूर्ति वोइथ सीमेन्स समेत कंपनियों के एक संघटन ने की है। पूरी तरह चालू हो जाने के बाद नाथपा झाकरी भारत का सबसे बड़ा पन बिजली केंद्र होगा।
- २००३ वोइथ सीमेन्स हाइड्रो पावर जेनरेशन को मध्य प्रदेश राज्य के ओम्कारेश्वर में ५२० मेगावाट के उर्जा केंद्र के लिए संपूर्ण उपकरणों का ऑर्डर मिला। वोइथ सीमेन्स हाइड्रो के लिए इस करार का मूल्य १२ करोड़ ३० लाख यूरो है।
- २००४ पिछले दो वर्षों में वोइथ ने भारत में चार प्रमुख पेपर मशीन अपग्रेड किए।
- २००४ भारत में पेपर मशीन क्लोदिंग के बाजार में वोइथ फैब्रिक्स की अधिसंख्य हिस्सेदारी है। वोइथ फैब्रिक्स भारत में सभी कागज मिलों को आपूर्ति करती है - सबसे छोटी से सबसे बड़ी तक।
- २००४ भारत में प्रति व्यक्ति कागज की खपत २०१० तक बढ़कर सात किलो हो जाने का अनुमान है। इस बढ़ती मांग की पूर्ति करने के लिए कागज बनाने वाली १० से ज्यादा नई मशीनें जरूरी होंगी।
- २००४ मार्च २००३ में भारत के प्रधानमंत्री ने २०१३ तक ५०,००० मेगावाट की स्थापना का एलान किया। आज तक पन बिजली संभावना के पांचवें हिस्से का ही उपयोग किया जा सका है।
- २००४ भारत में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है और प्रमुख शहरों में विशालकाय संरचना परियोजनाएं चल रही हैं। ऐसे में भारत में आकर्षक संभवानाएं हैं।

मीडिया से संबंधित पूछताछ के लिए :

वोइथ एजी

कारपोरेट प्रेस ऑफिस

मरकस वोइहल

फोन : +४९ ७३२९ ३७-२२९९

फैक्स : +४९ ७३२९ ३७-७१०७

ई मेल : markus.woehl@voith.com

www.voith.com